नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. मंत्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए वेद मंत्रों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए ।
2. ऋग्वेदीय दार्शनिक भावना का निरूपण कीजिए ।
3. देवोंकी अनेकता में एकता का वर्णन कीजिए ।
4. यजुर्वेद के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
5. ब्राह्मण साहित्य में प्राप्त प्रमुख आख्यानों पर प्रकाश डालिए ।
6. कृष्णयजुर्वेदीय आख्यकों का परिचय दीजिए ।
7. उपनिषद्साहित्य की विषय–सामग्री का निरूपण कीजिए ।
8. निरूक्त क्या है ? क्या निरूक्त वेदार्थ–ज्ञान में सहकारी है ? स्पष्ट कीजिए ।
9. सूत्र साहित्य पर निबन्ध लिखिये ।
10. रामायण–महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
03.04.2017	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
05.04.2017	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2017	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2017	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2017	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
15.04.2017	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
17.04.2017	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
19.04.2017	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2. गीतिकाव्य की परम्परा में 'मेघदूत' का महत्त्व निरूपित कीजिए ।
3. गद्यकाव्य की उत्पत्ति तथा विकास पर प्रकाश डालिए ।
4. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' अथवा 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'– इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
5. नीतिकथा का परिचय देते हुए संस्कृत साहित्य के प्रमुख नीति ग्रन्थों का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
6. नाटक के उत्पत्ति–सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।
7. उत्तररामचरित नाटक की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।
8. नवीन परम्परा के संस्कृत रचनाकारों का परिचय दीजिए ।
9. कालिदास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये :–

    (क) कालिदास (ख) माघ (ग) गीतगोविन्द

    (घ) शिवराजविजय (ड) पञ्चतन्त्र (च) बृहत्कथा

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
03.04.2017	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
05.04.2017	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2017	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2017	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2017	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
15.04.2017	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
17.04.2017	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
19.04.2017	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान एवं लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा–विश्लेषण विषयक भारतीय एवं पाश्चात्य भाषाविदों का विवरण दीजिए ।
2. 'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है' इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।
3. आकृतिमूलक वर्गीकरण को समझाते हुए अश्लिष्ट तथा श्लिष्ट योगात्मक भाषाओं के अभिलक्षणों की सोदाहरण तुलना कीजिए ।
4. ध्वनि–नियम से आप क्या समझते हैं ? ग्रिम–नियम का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
5. साहित्यक प्राकृतों की ध्वन्यात्मक विशेषताओं का परिचय दीजिए ।
6. ध्वनि विज्ञान तथा ध्वनिप्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए दोनों के अन्तर को रेखांकित कीजिए ।
7. स्वनिम किसे कहते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
8. वाक्य भाषा की उच्चतम इकाई है, इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
9. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य भेदों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।
10. रोमन और नागरी लिपियों की विशेषताओं की तुलना कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'क' (भारतीय दर्शन)

1. आत्मा कर्मवाद तथा पुनर्जन्म–इन तीन दार्शनिक प्रमेयों का विवेचन कीजिए ।
2. अष्ठांगिक मार्ग का विस्तार से परिचय दीजिए ।
3. चार्वाकों की आधार–मीमांसा का निरूपण कीजिए । क्या ये स्वीकार्य हैं ? अपना मत दीजिए ।
4. गुण तथा कर्म के लक्षण देते हुए उनका विवरण दीजिए ।
5. वेदान्त दर्शन में जीव–सम्बन्धी धारण को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड 'ख' (भारतीय संस्कृति)

6. सांस्कृतिक क्रान्ति क्या है ? भारत में होने वाली सांस्कृतिक क्रान्तियों का परिचय दीजिए ।
7. उत्तर वैदिक युग में विज्ञान की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।
8. पुरूषार्थ के रूप में अर्थ और काम का निरूपण कीजिए ।
9. संस्कार का अर्थ और महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।
10. दान की महिमा का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पालि के वंश साहित्य का विवेचन कीजिए ।
2. जैन–आगम साहित्य का परिचय दीजिए ।
3. बौद्ध–सिद्ध कवियों की कृतियों का परिचय दीजिए ।
4. भक्तिकाल का परिचय दीजिए ।
5. भक्तिकाल की कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।
6. नयी कविता के किन्हीं दो प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।
7. चैतन्योत्तर युग के बंगला साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
8. मराठी संत काव्य का परिचय दीजिए ।
9. तमिल साहित्य के अंधकार युग पर प्रकाश डालिए ।
10. श्रीनाथ और पोतना का कवि–परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) अधिकारसूत्रः (ख) माहेश्वरसूत्र
   (ग) विधिसूत्रः (घ) संज्ञासूत्रः
   (ङ) परिभाषा सूत्रः (च) वार्तिकः
   (छ) भाष्यः (ज) प्रत्याहार संज्ञा विधायक सूत्र

2. प्रयत्न किसे कहते हैं ? इसके भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

3. हल् सन्धि किसे कहते हैं ? हल् सन्धि विधेयक के किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

4. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं ***चार*** पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक साधनिका प्रस्तुत कीजिए :–
   (क) सुद्ध्युपास्यः (ख) मनीषा
   (ग) हर इह (घ) प्रेजते
   (ङ) विष्णुस्त्राता (च) मनोरथः
   (छ) देवा इह (ज) शिवोऽर्च्यः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः (ख) रोऽसुपि
   (ग) वा शरि (घ) अकः सवर्णे दीर्घः
   (ङ) एङः पदान्तादति (च) वृद्धिरेचि
   (छ) सोऽचि लोपे चेत्पादपूरणम् (ज) ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृक्षम्

6. कारक और विभक्ति के अन्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट करते हुये सम्बन्ध और सम्बोधन को कारक क्यों नहीं माना गया ? उदाहरण सहित निरूपण कीजिए ।

7. द्वन्द्व समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) षष्ठी चानादरे
   (ग) सम्बोधने च (घ) सहयुक्तेऽप्रधाने
   (ङ) यस्य च भावे भावलक्षणम् (च) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
   (छ) पञ्चमी विभक्तेः (ज) प्रातिपदिकार्थ–लिङ्ग–परिमाण–वचनमात्रे प्रथमा

9. अधोलिखित किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) समथः पदविधिः (ख) उपमानानि सामान्यवचनैः
   (ग) तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे (घ) कुगतिप्रादयः
   (ङ) तत्पुरूषः समानाधिकारणः कर्मधारयः (च) अव्ययीभावे चाकाले
   (छ) चतुर्थी तदर्थ–अर्थ–बलि–हित–सुख–रक्षितैः (ज) शेषो बहुब्रीहिः

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदरूपों का समास विग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
    (क) भूतपूर्वः (ख) यथाशक्ति
    (ग) शाकपार्थिवः (घ) महायशस्कः
    (ङ) पञ्चगवम् (च) अधिहरि
    (छ) कुम्भकारः (ज) नीलोत्पलम्

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'– इस काव्य लक्षण की विवेचना कीजिए ।
2. काव्य के रूपगत प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
3. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
4. चित्र–काव्य के सम्बन्ध में आचार्यों के विचार का मूल्यांकन कीजिए ।
5. आर्थी व्यंजना के भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
6. रस–दोषों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए ।
7. वामन द्वारा विवेचित अर्थगत दस भेदों का परिचय दीजिए ।
8. भट्टनायक द्वारा रस–सूत्र की व्याख्या की समीक्षा कीजिए ।
9. 'वक्रोक्ति' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि उसे काव्य का प्राण कहना कहाँ तक उचित है ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–

    यमक, उत्प्रेक्षा, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VIII (संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी एक विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) पर्यावरण–प्रदूषण समस्या (ख) भ्रष्टाचारम् (ग) महिला सशक्तिकरणम्

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (क) तुम दोनों लिखते हो । (ख) वह गाँव जाते हुए तृण को छूता है ।
   (ग) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती । (घ) जटा से तपस्वी प्रतीत होता है ।
   (ङ) राजा गरीब के लिए वस्त्र देता है । (च) राम ने रावण को मारा ।
   (छ) सत्य एवं प्रिय बोलो । (ज) दशरथ के चार पुत्र थे ।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   अलं, भुक्त्वा, यत्र–तत्र, कम्पमानः, नमः, कुतः, स्वाहा, गृहात्

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
   भारतवर्षस्य उत्तरदिशायां हिमालयो नाम पर्वतोऽस्ति । अस्य पर्वतस्य शिखराणि अत्युन्नतानि सन्ति । एतानि शिखराणि सदैव हिमेन आच्छादितानि सन्ति । अतएव अस्य पर्वतस्य अभिधानं हिमस्य आलयः हिमालय इति प्रसिद्धोऽस्ति । हिमालयात् गंगा–यमुना–शतद्रु–विपाशा–द्वारावती–वितस्ता–प्रभृतयः अनेकाः नद्यः प्रादुर्भवन्ति । एतासां नदीनां जलं भारतवर्षस्य विशालं भूभागं सिञ्चति । अतएव अस्मिन् देशे प्रभूतानि विविधानि अन्नानि फलानि च उद्भवन्ति । अस्मिन् पर्वते विविधाः ओषधयः वृक्षाः धावतः विविधानि च रत्नानि उपलभ्यन्ते । ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलजनाः हिमालयस्य पर्वतीयस्थलेषु गच्छन्ति सुखं च अनुभवन्ति । अस्मिन् एव पर्वते मानसरोवर–अमरनाथ–बद्रीनाथ–केदारनाथ–हरिद्वारप्रभृतीनि अनेकानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि अनेके च देवालयाः सन्ति । एतस्मिन् पर्वते स्थितासु अनेकासु गुहासु साधकाः तपश्चरन्ति । अत्र देवीनां मन्दिराणि अपि सन्ति । एतस्मात् कारणात् अयं पर्वतो देवभूमिरपि कथ्यते । हिमेन आच्दादितानि अस्य उन्नतानि शिखराणि अतिशैत्यात् शत्रुभ्यश्च अस्मान् रक्षन्ति ।
   (क) हिमालयः कुत्र राजते ? (ख) हिमालयस्य शिखराणि कीदृशानि सन्ति ?
   (ग) हिमालयात् काः काः नद्यः प्रादुर्भवन्ति ? (घ) ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलाः जनाः कुत्र गत्वा सुखम् अनुभवन्ति ?
   (ङ) अस्मिन् पर्वते किं किं प्राप्यते ? (च) हिमालये कानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि सन्ति ?
   (छ) हिमालयः शिखराणि केभ्यः अस्मान् रक्षन्ति ? (ज) अनुच्छेदस्य नाम देयम् ।

5. अपने पिता को अपनी वार्षिक परीक्षा का परिणाम सूचित करने हेतु एक पत्र लिखिए ।

6. महाविद्यालय में नामांकन हेतु प्राचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
   वर्ण–व्यवस्था भारतवर्षे अतीव पुरा नासीत्, अत्र न कापि विचिकित्सा । अद्य वर्णव्यवस्था व्यावहारिकी न वेति प्रश्नोऽयं स्वभावतः समुज्जृम्भते । गुणकर्माणि दृष्ट्वा यथायोग्यं जनानां या व्यवस्था सा वर्णव्यवस्था । सा व्यावहारिकी अस्ति न वा इति प्रश्नः । वर्णव्यवस्था जातिव्यवस्था च पर्यायवाचिनौ शब्दौ । वर्णव्यवस्थाया उत्पत्तिः प्रादुर्भावो वा कदा अभवत् इति तु विनिश्चेतुं वयम् अक्षमाः । ऋग्वेदे वर्णव्यवस्था स्वभावतः न प्राप्यते यथा बैनफे–म्योर–जिमर महोदयानां कथनमत्र यत् ऋग्वेदे वर्णव्यवस्थायाः सत्ता नास्ति । अस्मिन्विषये विपरीतां धारणां परिपोषयति ओल्डनबर्गः । मैक्समूलर–महोदयस्य कथनमस्ति यत् वैदिककाले वर्णव्यवस्थाया साम्प्रतिकं रूपं आसीत् न वेति निश्चयपूर्वकं कथयितुं न प्रार्यते । भारतीय–वैदिक–साहित्यस्य प्रमुखाध्येता बेबरमहोदयः कथयति यत् ऋग्वेदकाले वर्ण व्यवस्थाया रूपं प्रायः निर्धारितमासीत् ।

8. निम्नलिखित का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   अस्माकं देशः कृषिप्रधानः । अस्मिन् देशे प्रतिशतम् अशीतिः जनाः कृषिकार्यं कुर्वन्ति । अतः कृषकाः एव भारतस्य प्राणाः सन्ति । ते परिश्रमेण अन्नमुत्पादयन्ति तदन्नं भुक्त्वा देशः जीवनं धारयति । ते प्रातःकाले एव स्कन्धे हलं निधाय क्षेत्रं गच्छन्ति । तत्र कठिनं श्रमं कुर्वन्ति ।

9. निम्नलिखित पदो ंके पद–विग्रह लिखिए :–
   पीताम्बरः, महात्मा, दशाननः, दम्पती, चन्द्रमुखी, प्रियदर्शिनी, केशाकेशि, कुमतिः

10. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
    (i) यत्र धूमः.....अग्निः । (किम्, तत्र) (ii) सुरेशः विनोदः.....पठतः । (च, वा)
    (iii) .....गङ्गा प्रभवति । (हिमालयेन, हिमालयात्) (iv) अस्मिन् अध्याये.....प्रश्नाः सन्ति । (कति, कदा)
    (v) वामनः.....वसुधां याचते । (बलिम्, बलिः) (vi) त्रयः.....धावन्ति । (बालकाः, बालिकाः)
    (vii) रजकः.....गर्दभं ताऽयति । (लगुडेन, लगुडात्) (viii) जन्मभूमि.....गरीयसी । (स्वर्गादपि, स्वर्गेनापि)

    (ख) अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद दीजिए :–
    (i) व्याघ्र इव आचरति । (ii) प्रश्नं करोति । (iii) पठितुम् इच्छति ।
    (iv) नमः करोति । (v) अद्रुमः द्रुमः भवति । (vi) त्रीणि लोचनानि यस्य सः ।
    (vii) लब्धा प्रतिष्ठा येन स । (viii) कृतं कार्यं येन सः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक देवता के रूप में इन्द्र का परिचय दीजिए।
2. "उषा" देवता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
3. निम्न मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए –
   (क) सूर्यो देवीमुषसं रोचमानां मयो न योषामभ्येति पश्चात् ।
   यत्रा नरो देवयन्तो युगानि वितन्वते प्रति भद्रायं भद्रम ।।
   (ख) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्देवो देवान् कुतुनापर्य्यभूषत् ।
   यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य महा स जनास इन्द्रः ।।
4. शिव–संकल्प–सूक्त का सारांश लिखिए।
5. "सांमनस्यम्" का सार लिखिए।
6. समन्वय क्या है? इसे स्पष्ट कीजिए।
7. पिण्ड तत्त्व और ब्रह्मांड तत्त्व क्या है? दोनों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।
8. याज्ञवल्क्य–मैत्रीय–संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।
9. शान्ति–पाठ से क्या समझते हैं? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए –
    (क) येन अहं न अमृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् ।
    (ख) अस्यैवैतानि सर्वाणि निःश्वासितानि ।
    (ग) ग्रहणाय वीणायै तु ग्रहणेन वीणावादस्य वा शब्दोगृहीतः ।
    (घ) इदं सर्व यदयभात्मा ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Sanskrit, Part-II

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.06.2017	Paper–IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
06.06.2017	Paper–X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.06.2017	Paper–XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.06.2017	Paper–XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
12.06.2017	Paper–XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.06.2017	Paper–XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.06.2017	Paper–XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
19.06.2017	Paper–XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–X

(प्राचीन संस्कृत पद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उपजीव्य काव्यों के अन्तर्गत आने वाले ग्रंथों का उल्लेख कीजिए ।
2. महाकाव्य की विशेषताएँ बताइए ।
3. बाल्मीकि कृत रामायण की संक्षिप्त कथा अपने शब्दों में लिखिए ।
4. किष्किन्धा काण्ड में कथोपकथन की विशेषताएँ बताइए ।
5. गीता के भक्तियोग का विवेचन कीजिए ।
6. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्म तत्त्व का विवेचन कीजिए ।
7. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
   मा कर्मफल हेतुर्भू मा ते संगोस्त्वकर्मणि ।।
   (ख) संतुष्टः सततं योगी यतात्मा दृढ़निश्चयः ।
   मय्यर्पित मनोबुद्धिर्योमद्भक्तः स मे प्रियः ।।
8. महाभारत के अन्तर्गत विदुरनीति की विषयवस्तु लिखिए ।
9. नीतिकाव्य का संक्षिप्त परिचय देते हुये उसका उद्देश्य बताइए ।
10. दुर्जनों के लक्षण अपने शब्दों में लिखिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं दो पद्यों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए ।

   (क) स तत्र मञ्चेषु मनोज्ञवेषान् सिंहासनस्थान् उपचारवत्सु ।
   वैमानिकानां मरूताम् अपश्यत् आकृष्ट–लीलान्तर–लोकपालान् ।।

   (ख) ततः परं दुष्प्रसहं द्विषद्भिः नृपं नियुक्ता प्रतिहार–भूमौ ।
   निदर्शयामास विशेष–दृश्यम् इन्दुं नवोत्थानमिवेन्दुमत्यै ।।

   (ग) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संक्षृणुते स किं प्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेऐवमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

   (घ) निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरि दानं विरहस्य्य सत्क्रियाम्
   प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया ।।

2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

   (क) तासु श्रिया राज–परम्परासु प्रभा–विशेषोदय–पुर्निरीक्ष्यः ।
   सहस्रधात्मा व्यरूचत् विभक्त : पयोमुचां पंक्तिषु विधुतेन ।।

   (ख) नेत्रव्रजा पौरजनस्य तस्मिन् विहाय सर्वान् नृपतीन् निपेतुः ।
   मदोत्कटे रेचितपुष्पवृक्षा गन्धद्विपे वन्य इव द्विरेफाः ।।

3. बौद्धकाल में संस्कृत काव्य रचना का विवेचन कीजिए।

4. संस्कृत महाकाव्यों की बृहत्त्रयी से आप क्या समझते हैं? संस्कृत महाकाव्यों में बृहत्त्रयी का स्थान निरूपित कीजिए ।

5. "भारवेः अर्थ गौरवम्" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

6. कवि रामकरण शर्मा की रचना की सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का विवेचन कीजिए ।

7. संस्कृत काव्य रचना के उद्भव का विवेचन कीजिए ।

8. भामह और विश्वनाथ द्वारा प्रतिपादित काव्य–लक्षणों की तुलना कीजिए ।

9. अश्वघोष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

10. कालिदास के महाकाव्यों का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. बाणभट्ट की गद्य शैली का सोदाहरण निरूपण कीजिए ।

2. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) सततममूलमंत्रशभ्यो विषमे विषयविषास्वादमोह : ।
   (ख) इन्द्रिय हरिणहारिणी च सततदुरन्तेयमुपभोगहष्णिका ।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी की अस्थिरता का विवेचन कीजिए ।

4. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–
   (क) एवं समतिक्रामत्सु केषुचित् दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेक चिकीर्षु प्रतिहारानुपकरण संभार संग्रहार्थमादिदेश तात । चन्द्रापीड़ा विदितवेदितत्यस्य अजीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमत्युपदेष्टत्यमस्ति । केवलञ्च निसर्गत एव अभानुभेद्यमरत्नालोकच्छेद्यमप्रदीपप्रभावयेन–मतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् ।
   (ख) गुरूपदेश्च नाम पुरूषाणामखिल–मल–प्रक्षालन–क्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजात–पलितादि–वैरूप्यम् अजरं वृद्धत्वम्, अनारोपित मेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम्, अग्राम्यं कर्णाभरणम्, । अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः ।

5. व्याघ्रीजातक की कथा एवं इसके संदेश का निरूपण कीजिए ।

6. मैत्रीबल जातक के आधार पर राजा मैत्रबल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

7. निम्नलिखित संदर्भों का अनुवाद कीजिए :–
   (क) स्वसौख्य सङ्गेन परस्य दुःखभुपेक्ष्यते शक्तिपरिक्षयाद् वा । न चान्यदुःखे सति मेऽस्ति सौख्यं संत्यां च शक्तौ किमुपेक्षकः स्यात् ।।
   (ख) अथ सा व्याघ्री तेन बेधिसत्त्वस्य शरीर–निपातशब्देन समुत्थापित–कौतूहलामषींविरम्य स्वतनयवैशसोधमात्, ततो नयने विचिक्षेप । दृष्टवैव च बोधिसत्त्व–शरीरम् उद्गत्तप्राणं सहसाभिसृत्य भक्षयितुमुपचक्रमे ।

8. शिवराजविजय की ऐतिहासकता का विवेचन कीजिए ।

9. शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास में वर्णित गौरसिंह की विशेषताओं और कार्यों का विवरण दीजिए ।

10. रामकरण शर्मा का संक्षिप्त परिचय देते हुये रयीशः का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(संस्कृत रूपकम)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
2. नाटक में अर्थप्रकृति और पंच–संधि पर विस्तार से लिखिये ।
3. भारत के 'नाट्यशास्त्र' पर एक विवेचनात्मक निबंध लिखिये ।
4. 'मृच्छकटिकम्' नाम की सार्थकता पर विचार करते हुए कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
5. मृच्छकटिकम् की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
6. मुद्राराक्षस के आधार पर राक्षस का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
7. ''अभिज्ञानशाकुन्तलम' के चतुर्थ अंक में करूणा की धारा कवि के द्वारा बहायी गयी है''– कैसे ?
8. 'उत्तररामचरित' के तृतीय अंक की संज्ञा कवि ने 'छाया अंक' के रूप में दी है । उनके कारणों की सयुक्ति समीक्षा कीजिए ।
9. 'अपूर्वः प्रतिशोध' के आधार पर आश्वत्थामा का चरित्र चित्रण कीजिए ।
10. 'नीड़ निर्माणम' के नायक विवेक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

खण्ड–"अ" एवं खण्ड–"ब" से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की व्याख्या कीजिए :
   (क) ऋन्नेभ्यो ङीप् (ख) वयसि प्रथमे (ग) वोतोगुणवचनात् (घ) यङश्चाप्
   (ङ) नूनरयोः वृद्धिः (च) यूनस्ति (छ) उगितश्च (ज) टावृचि
2. निम्नलिखित पदरूपों में किन्हीं चार पदों की सिद्धि सूत्र निर्देशपूर्वक कीजिए।
   (क) श्वश्रूः (ख) गौरी (ग) इन्द्राणी (घ) कोकिला
   (ङ) नारी (च) लध्वी (छ) सूर्या (ज) गार्गी
3. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए
   (क) कर्तरि कर्मण्यतिहारे (ख) न गतिहिंसार्थेभ्यः
   (ग) नाऽनोर्ज्ञः (घ) क्रीडोऽनुसम्परिभ्यश्च
   (ङ) विपराभ्यां जेः (च) वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः
   (छ) समवप्रविभ्यः स्थः (ज) परिव्यवेभ्यः क्रियः
4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें
   (क) समानकर्तकेषु तुमुन् (ख) नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः
   (ग) ण्वुलतृचौ (घ) तव्यत्तव्यानीयरः
   (ङ) ऋहलोऽर्ण्यत् (च) एतिस्तुशास्वृहजुषः क्यप्
   (छ) क्तक्तवतु निष्ठा (ज) अनुपराभ्यां कृञः
5. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि–सूत्र निर्देशपूर्वक लिखिए
   (क) वास्तव्यः (ख) शिष्यः (ग) स्नानीयम् (घ) प्रवहति
   (ङ) अधिक्षिपति (च) निविशते (छ) देयम् (ज) अवद्यम्

खण्ड 'ब'

6. स्त्री प्रत्यय कितने हैं, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
7. पूर्वकालिक एवं निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
8. निम्नलिखित किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए
   (क) कृत्य प्रत्यय (ख) भाववाचक कृत्प्रत्यय (ग) सत् (घ) आत्मनेपद
   (ङ) कर्मवाच्य (च) लकार (छ) भाववाच्य (ज) णमुल् प्रत्यय
9. परस्मैपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का निरूपण करें ।
10. धातु का अर्थ स्पष्ट करते हुए सकर्मक और अकर्मक धातुओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरतोत्तर नाट्याचार्यों एवं उनके प्रतिपाद्यों पर प्रकाश डालिए ।
2. भारतीय ज्योतिष के विकास की रूप रेखा प्रस्तुत कीजिए ।
3. वेदों में आयुर्वेद का स्थान निर्धारित कीजिए ।
4. आत्रेय और धान्वन्तर सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्यों का परिचय दीजिए ।
5. वैदिक पूर्व पाणिनेय व्याकरण से त्रिमुनि व्याकरण तक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
6. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा प्रदर्शित कीजिए ।
7. अमरोत्तर कोशीय इतिहास का परिचय दीजिए ।
8. स्मृति–ग्रंथों पर प्रकाश डालिए ।
9. भाष्य एवं निबन्ध शास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिये –
    (क) आर्य भट्ट
    (ख) वराह मिहिर

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत), पार्ट–II, पत्र–XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
(क) उपमा कालिदासस्य (ख) काव्येषु नाटकं रम्यम् (ग) माघे सन्ति त्रयोगुणाः

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन करें :–
(क) अहो विधिर्बलवती । (ख) त्रिः बाला गच्छन्ति ।
(ग) प्राते भ्रमणं लाभदायकम् । (घ) नास्ति मे मरणस्य भयम् ।
(ङ) मम न रोचते ते वाक्यम् । (च) नदीभ्यो गङ्गा श्रेष्ठ ।
(छ) कदापि मृषां मा वदेत् । (ज) रमायाः उमा पटुतमा ।
(झ) प्रभुः भृत्याय अभिक्रुध्यति । (ञ) आनय मे प्रियं सखिम् ।
(ट) अष्टानि फलानि आनय । (ठ) आसमुद्रस्य पृथिव्या अयं राजा ।
(ड) अहं भोजनं खादितव्यः । (ढ) श्रीमानं नमः ।
(ण) धनेन विद्या गुरू । (त) भवान् आगच्छसि ।

3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
मानवजीवनस्य साफल्यं त्यागेननैव भवितुमर्हति न तु भोगेन । पाश्चात्या संस्कृतिर्हि सर्वथा भौतिकी सर्वान् भोममेव शिक्षयति । भारतीया संस्कृतिस्तु सर्वत आध्यात्मिकी भोगस्थले योगमेव शिक्षयति । पाश्चात्य सभ्यता खलु परेषां भागमपहर्तुम् आग्रहमाचरति भारतीय–सभ्यता पुनः स्वीयानपि स्वार्थान् त्यक्तुं परेषामुपकाराय प्रेरयति । त्यागो हि एको महामन्त्रः एतन्महामन्त्राभावस्य एवैष पुष्परिणामः यो यूरोपीय महायुद्धे परिणतोऽभूत् । भौतिकजीवनमेव चरमलक्ष्यं मन्यमानायाः पश्चिमसभ्यताया इदमेव पर्यवसानम् । निर्धनान् निर्बलांश्च विदलय्य स्वयमाढ्यीभक्तिुं असंख्य धनराशेः संहरणं चेति विद्यते भौतिकता वादि सभ्यतायाः परिस्फुरन्ति दुष्फलानि । भारतीया हि संस्कृतिः परेषां मङ्गलम् अभिकाङ्क्षति, परेषां कल्याणे एव स्वीयं कल्याणं भावयति परेषां कार्यसिद्धये स्वकीयमेकदेशीयं क्षुद्रस्वार्थ सर्वथा परित्यजति । गीतायां यस्य यज्ञस्य कल्पना कृताऽस्ति तदिदमेव निःस्वार्थकर्मविधानम् अस्ति । भारतीय संस्कृतेः अयमेवाऽस्ति मन्त्रः–त्यागः, परमार्थः, निःस्वार्थं कर्म च ।

4. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
(क) सत्यमेव जयते (ख) वसुधैव कुटुम्बकम् (ग) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

5. कृदन्त किसे कहते हैं ? किन्हीं तीन कृत्य प्रत्ययों के तीन–तीन उदाहरण दीजिए ।

6. वाच्य परिवर्तन कीजिए :–
(क) मालाकारः पुष्पाणि चिन्वन्ति । (ख) रामः सत्यं वदति । (ग) अहं दुग्धं पिवामि ।
(घ) व्याघ्रात् सर्वे बिभ्यति । (ङ) रामेण पुस्तकं पठितव्यम् । (च) शिशुः रुदति ।
(छ) कविभिः कविता क्रीयन्ते । (ज) एकः चन्द्रः तमो हरति । (झ) वयं छात्रान् पाठयामः ।
(ञ) भवतः ईश्वरं स्तौति । (ट) परोपकारिणा परोपकारः क्रियते । (ड) राष्ट्रपतिः राष्ट्रं सम्बोधयति ।
(ढ) सर्वे भगवन्तं पूजयन्ति । (ठ) वयं रामायणस्य कथां श्रुणुमः । (ण) छायाकारः छायाचित्रं रचयति ।
(त) कुक्कुरः गृहद्वारे स्वपिति ।

7. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में किन्हीं ***चार*** का सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
(क) वामनः <u>बलिं</u> वसुधां याचते । (ख) स्वस्ति <u>प्रजाभ्यः</u> ।
(ग) रुदतः <u>पुत्रस्य</u> माता कार्यालयं जगाम । (घ) <u>हिमालयात्</u> गङ्गा प्रभवति ।
(ङ) <u>रामेण</u> बाणेन हतो रावणः । (च) <u>केशेषु</u> चमरीं हन्ति ।
(छ) <u>मासमधीते</u> व्याकरणम् । (ज) <u>अक्ष्णा</u> काणः ।

8. समास विग्रह करते हुए किन्हीं ***आठ*** समास का नाम बताएँ :–
नीलोत्पलम्, लम्बोदरः, प्रतिदिनम्, यूपदारु, पङ्कजम्, राजपुरुषः, अनुरूपम्, कृष्णश्रितः, उपगङ्गम्, अधिहरि, घनश्यामः, कुपुरुषः, सानुजः, त्रिफला ।

9. संधि विच्छेद करते हुए किन्हीं ***आठ*** संधियों का नाम लिखिए :–
अभ्युदय, परोपकारः, सतीशः, मतैक्यम्, नरेन्द्रः, पावकः, लोकोऽयम्, साधू इमौ, तच्छिवः, जगदीशः, परिष्कृतम्, उज्ज्वलः, हरिश्चन्द्रः, यशांसि ।

10. (i) निम्नलिखित शब्दों में किन्हीं आठ शब्द के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :–
स्तुति, अमृतम्, आशा, कटु, जीवन, नागरः, नवीनः, विस्तारः, लाभः, विजयः, क्षमा ।
(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
अग्नि, वायु, सूर्य, आकाश, कामदेव, हिमम्, सरस्वती, अमृत, पक्षी, पृथ्वी ।

ꣿ ꣿ ꣿ